Office of the Principal, Government College Bichhua
Chhindwara (M.P.) 480111

Mobile: +91 9425425968, Email- hegcbicchh@mp.gov.in
https://www.govtcollegebichhua.org, https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109

Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956
Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

BOOK CHAPTERS PUBLISHED BY THE FACULTY MEMBERS

YEAR : 2021-22

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E= bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:02:59+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:03:20+05'30'

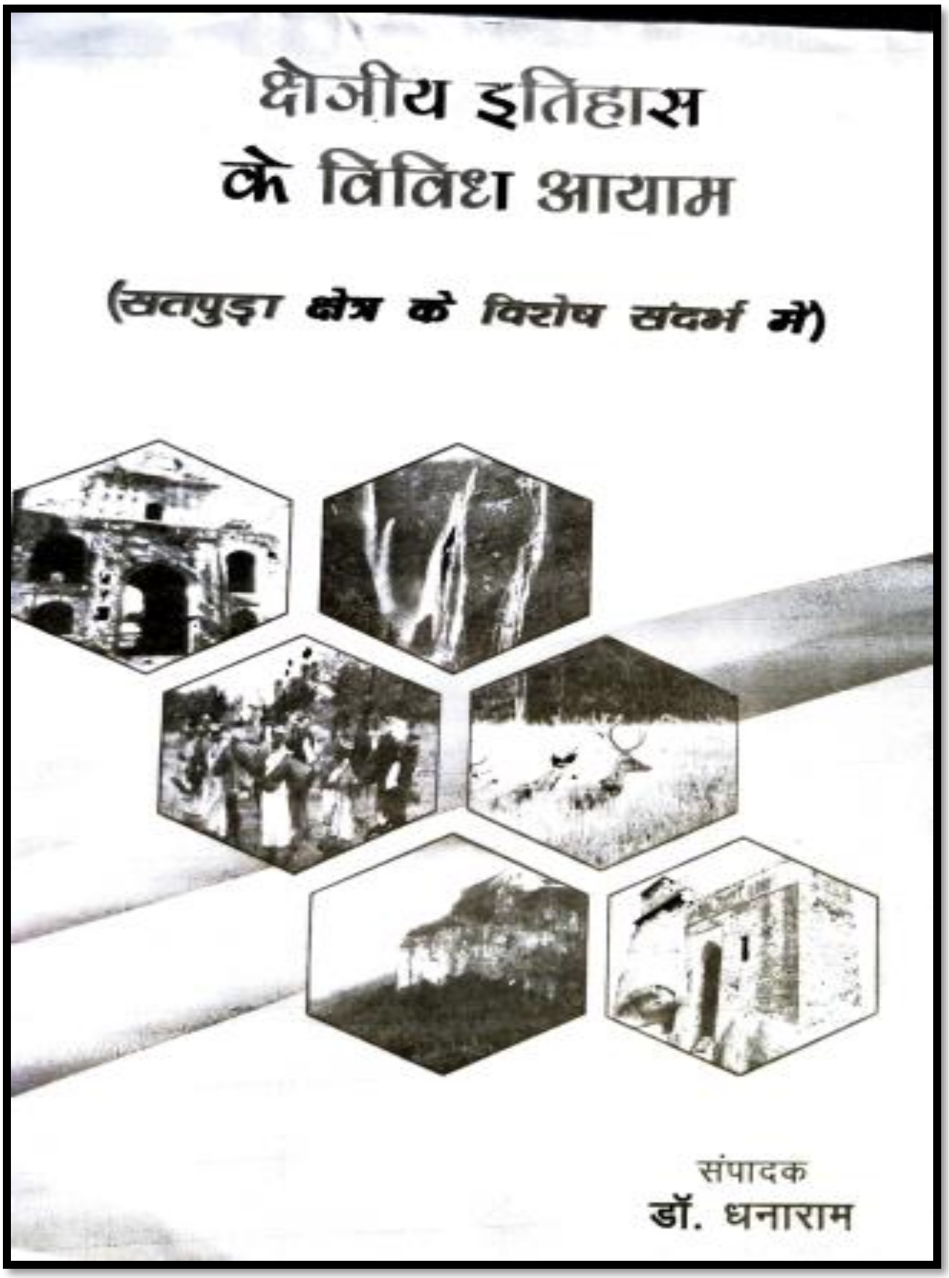

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E= bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:02:59+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:03:20+05'30'

Office of the Principal, Government College Bichhua
Chhindwara (M.P.) 480111

Mobile: +91 9425425968, Email- hegcbicchh@mp.gov.in
https://www.govtcollegebichhua.org, https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109

Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956
Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

❐ क्षेत्रीय इतिहास के विविध आयाम
(सतपुड़ा क्षेत्र के विशेष संदर्भ में)

❐ संपादक : डॉ. धनाराम

❐ संस्करण : प्रथम संस्करण 2021

❐ ISBN : 978-81-945954-6-5

❐ मूल्य : 500 रुपये

❐ प्रकाशक : अर्थ पब्लिकेशन
छिन्दवाड़ा - 480001 (म.प्र.)
संपर्क : 7354153350
E-mail : earthpublication.cwa@gmail.com

❐ मुद्रक : अर्थ पब्लिकेशन एण्ड प्रिंटर

वैधानिक चेतावनी

पुस्तक के किसी भी अंश के प्रकाशन — फोटोकॉपी, इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में उपयोग के लिए लेखक/संपादक/प्रकाशक की लिखित अनुमति आवश्यक है। पुस्तक में प्रकाशित शोध–पत्रों में निहित विचार तथा संदर्भों का संपूर्ण दायित्व स्वयं लेखकों का है। संपादक/प्रकाशक इसके लिए जिम्मेदार नहीं है।

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O="GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:02:59+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:03:20+05'30'

45. बाघ चित्रकला – लौकिक जीवन का चित्रण
जितेन्द्र कुमार पटेल

46. क्षेत्रीय पर्यटन स्थल
डॉ. पूजा तिवारी

47. सतपुड़ांचल के प्रमुख पर्यटन स्थल
डॉ. रामता प्रसाद आम्रवंशी

48. छिंदवाड़ा जिले के पर्यटन स्थलों का ऐतिहासिक अध्ययन
डॉ. नीलमकीर्ति गेडाम

49. क्षेत्रीय पर्यटन स्थल : बघेलखण्ड का ऐतिहासिक पर्यटन स्थल बान्धवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान
प्रो. देवेन्द्र कुमार सोनी

50. बैतूल जिले की पुरा संपदा एवं पर्यटन की संभावनाएं
डॉ. डी.डी. देशमुख

51. पातालेश्वर धाम छिंदवाड़ा में लगने वाले शिवरात्रि के प्रसिद्ध मेले का ऐतिहासिक महत्व (धार्मिक आस्था की दृष्टि से) :
डॉ. बी.सी. जोशी एवं श्रीमती ऋचा तिवारी

52. सतपुड़ा में ग्रामीण समुदाय के कृषक समाज की परंपराओं का ऐतिहासिक एवं वर्तमान स्थिति का एक अध्ययन 2
शोभाराम डेहरिया

53. क्षेत्रीय ऐतिहासिक धरोहर में अहिल्याबाई के व्यक्तित्व का योगदान 2
प्रो. अनतिमा कनेरिया

54. क्षेत्रीय पुरातत्व
श्रीमती मनीषा यादव 2

55. क्षेत्रीय पर्यटन स्थलों का सांस्कृतिक व भौगोलिक अध्ययन (छिंदवाड़ा जिले के विशेष संदर्भ में) 24
सुश्री मीना ठाकरे

56. भारतीय इतिहास में शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान 24
श्री संजय मेहरा

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:02:59+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:03:20+05'30'

क्षेत्रीय पर्यटन स्थल

डॉ. पूजा तिवारी, सह प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग,
शासकीय महाविद्यालय, बिछुआ, जिला –छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

देशाटन या पर्यटन मानव की स्वाभाविक प्रवृत्ति है। आधुनिक युग में पर्यटन बहुउद्देशीय बन गया है। इसी तारतम्य में इस शोधपत्र के माध्यम से छिन्दवाड़ा के क्षेत्रीय पर्यटक स्थल से रूबरू होते हैं। छिन्दवाड़ा देश के हृदय राज्य मध्यप्रदेश का एक खूबसूरत शहर है, जो ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक रूप से अत्यधिक महत्वपूर्ण माना जाता है। छिन्दवाड़ा शिवालिक पहाड़ियों के तलहटी में खजूर के पेड़ों की अधिकता के साथ बसा है। शहर के नाम का शाब्दिक अर्थ है – खजूर (छीन्द) का स्थल (बाड़ा)। अपनी इस खास विशेषता के कारण इस शहर का नाम छिन्दवाड़ा पड़ा। अपने उत्कृष्ट स्थानों के कारण यह शहर राज्य के एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल के रूप में उभरा है।

छिन्दवाड़ा समुद्र तल से 657 मीटर की ऊंचाई के साथ 11,815 वर्ग कि.मी. के क्षेत्र में फैला हुआ है। क्षेत्रीय पर्यटन के लिहाज से छिन्दवाड़ा एक आकर्षक गंतव्य है, जो विभित्र आर्कषक स्थलों को पेश करता है। क्षेत्रीय पर्यटन स्थल पर आधारित इस शोध पत्र के माध्यम से आप सभी जान सकते है कि मध्यप्रदेश का यह खूबसूरत शहर आप लोगों को किस प्रकार आनंदित कर सकता है।

- **देवगढ़ किला** – छिन्दवाड़ा शहर से मात्र 39 कि.मी. की दूरी पर स्थित देवगढ़ किला का निर्माण गोंड राजा जाटवा द्वारा किया गया था। 18 वीं शताब्दी तक यह "गोंडवाना" राजवंश की राजधानी रहा। देवगढ़ किला की वास्तुकला लगभग "मुगल शैली" जैसी है यह एक विशाल किला है जिसकी खूबसूरती एवं इतिहास पर्यटकों को प्रभावित करने के सक्षम है।
- पातालकोट – छिन्दवाड़ा के क्षेत्रीय पर्यटन स्थल तामिया का पतालकोट विश्व विख्यात है। पातालकोट सतपुड़ा की सुरम्य वादियों में जमीन से लगभग 1700 फीट नीचे बसा एक ऐसा क्षेत्र है, जहां पर सूर्य की किरणें भी दोपहर तक ही कुछ हिस्सों में पहुंच पाते हैं। यह समुद्र तल से लगभग 2750–3250 फिट की ऊंचाई पर स्थित है। यहाँ घाटी के शीर्ष पर बैठकर देखने पर यह स्थान घोड़े की नाल जैसा नजर आता है। सरकारी प्रयासों से यहाँ पर कई रोमांचक खेल आदि पर्यटकों के लिए उपलब्ध हैं।
- **तामिया** – छिन्दवाड़ा से लगभग 45 कि.मी. दूर तामिया एक बेहद हसीन पहाड़ी स्थल है, यहाँ से सूर्योदय और सूर्यास्त के दृश्य काफी ज्यादा मनोरम दिखाई देते है।
- **अनहोनी** – छिन्दवाड़ा–पिपरिया रोड पर झिरपा गांव से लगभग 2 मील की

Chapter Writer : Dr. Pooja Tiwari

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E= bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:02:59+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:03:20+05'30'

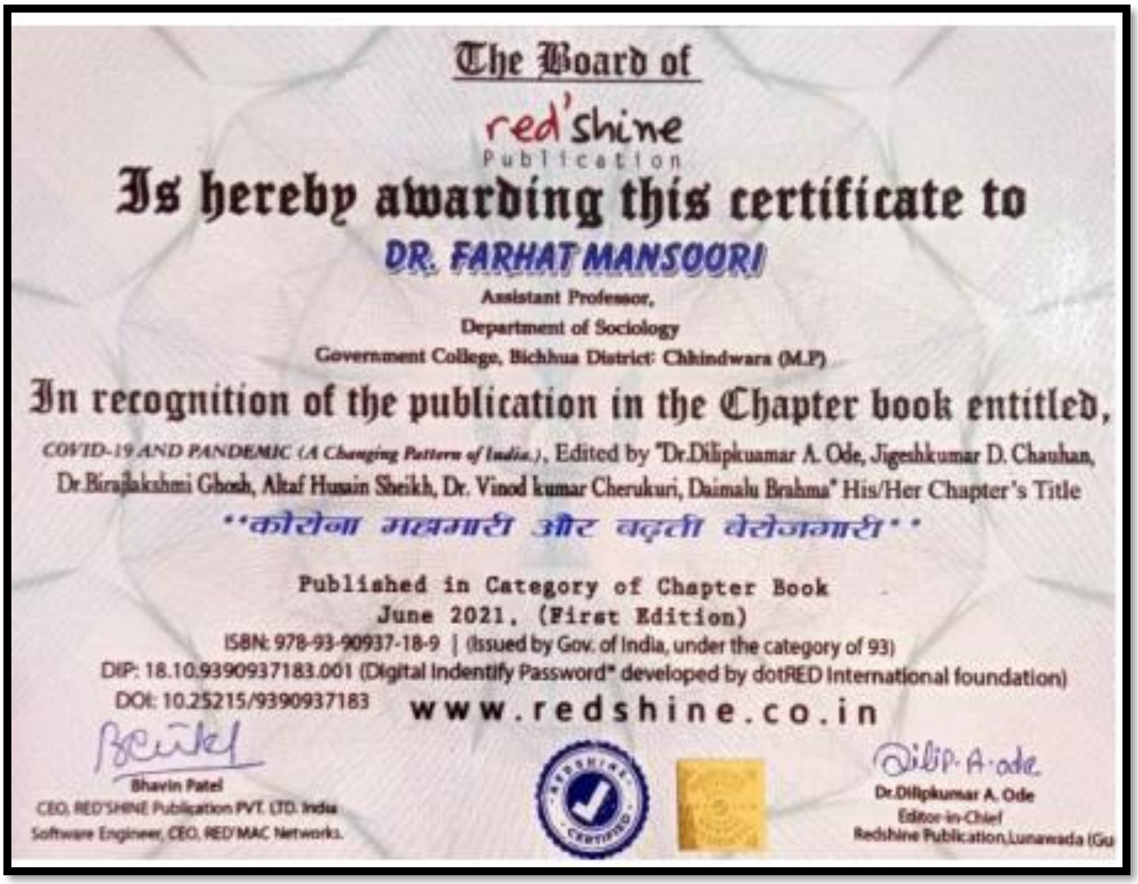

The Board of

red'shine Publication

Is hereby awarding this certificate to

DR. FARHAT MANSOORI

Assistant Professor,
Department of Sociology
Government College, Bichhua District: Chhindwara (M.P)

In recognition of the publication in the Chapter book entitled,

COVID-19 AND PANDEMIC (A Changing Pattern of India.), Edited by "Dr.Dilipkuamar A. Ode, Jigeshkumar D. Chauhan, Dr.Birajlakshmi Ghosh, Altaf Husain Sheikh, Dr. Vinod kumar Cherukuri, Daimalu Brahma" His/Her Chapter's Title

"कोरोना महामारी और बढ़ती बेरोजगारी"

Published in Category of Chapter Book
June 2021, (First Edition)
ISBN: 978-93-90937-18-9 | (Issued by Gov. of India, under the category of 93)
DIP: 18.10.9390937183.001 (Digital Indentify Password" developed by dotRED International foundation)
DOI: 10.25215/9390937183

www.redshine.co.in

Bhavin Patel
CEO, RED'SHINE Publication PVT. LTD. India
Software Engineer, CEO, RED'MAC Networks.

Dr.Dilipkumar A. Ode
Editor-in-Chief
Redshine Publication,Lunawada (Gu

Chapter Writer : Dr. Farhat Mansoori

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:02:59+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:03:20+05'30'

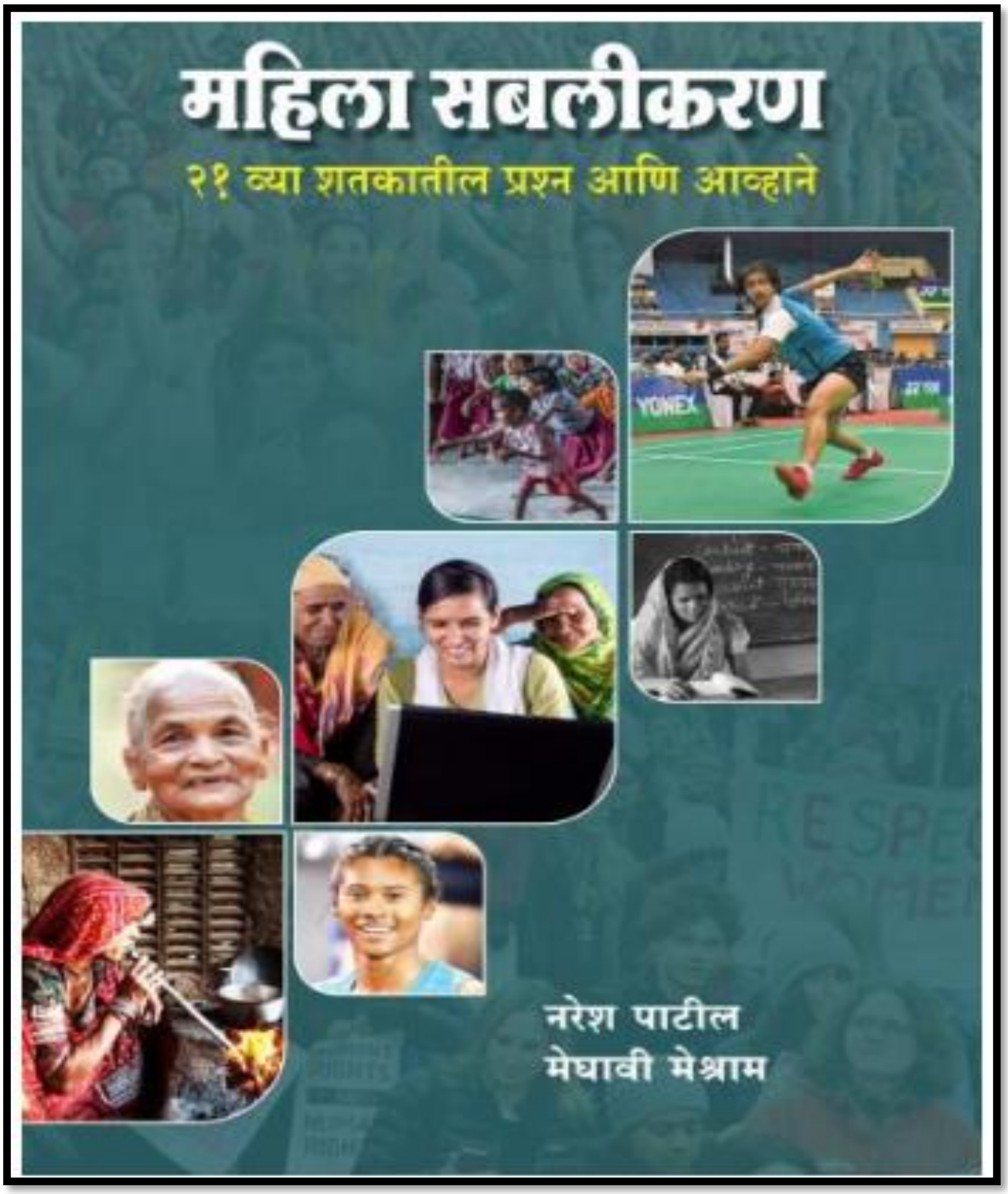

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:02:59+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:03:20+05'30'

महिला सबलीकरण :
२१ व्या शतकातील प्रश्न आणि आव्हाने

नरेश पाटील
मेघावी मेश्राम

- प्रकाशक
  सुजित मुरमाडे,
  युरो वर्ल्ड पब्लिकेशन
  20/21, कार्टर रोड, खार वेस्ट,
  मुंबई – 52 मो. 8788904820
- पृष्ठ संख्या : 312
- प्रकाशन दिनांक : 20-03-2022
- मुखपृष्ठ व अक्षरांकन
  सोनाली ग्राफिक्स, नागपूर
  मोबा. 7721809250
- मुद्रक
  पंश क्रिएशन, नागपूर
  9505727614
- मूल्य : ₹ 1050/-
  ISBN : 978-93-94400-03-4

All rights reserved. No part of this publication should be reproduced, store in retrieval system, or transmitted in any form or by any means: electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the prior written permission of the editor in chief and the publisher.

This book has been published in good faith that the material provided by authors is original. Every effort is made to ensure accuracy of material, but the publisher and the printer will not be held responsible for any inadvertent error(s). In case of any dispute, all legal matters are to be settled under Nagpur jurisdiction only.

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E= bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:02:59+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:03:20+05'30'

Office of the Principal, Government College Bichhua
Chhindwara (M.P.) 480111

Mobile: +91 9425425968, Email- hegcbicchh@mp.gov.in
https://www.govtcollegebichhua.org, https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109

Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956
Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

अनुक्रमणिका

1	लैंगिक समानता : आजची आणि उद्याची गरज	नरेश वा. पाटील	9
2	महिला सक्षमीकरण	मेधावी मेश्राम	16
3	महिला सबलीकरण : उद्देश आणि साधने	डॉ. अनिल गाडेकर	26
4	भारतातील महिला चळवळ	डॉ. वर्षाराणी वाघमारे डॉ. विकास माने	33
5	हिंदू कोड बिल आणि स्त्री	डॉ. प्रकर्ष देशमुख	40
6	लिंगभाव समता आणि महिला सबलिकरण	डॉ श्रीनिवास भोंग	46
7	भारतातील महिला सक्षमीकरणाची आव्हाने आणि संभावना	डॉ. बिना मून	52
8	भारतीय राजकारणात महिलांचा सहभाग आणि त्यांची भूमिका	डॉ. ममता पाथ्रीकर	58
9	महिला आणि मानवी हक्क	डॉ. सय्यद र. बदरुद्दीन	65
10	पंचायतव्यवस्थेत महिलांचा राजकीय सहभाग	प्रा. बाळासाहेब पवार	70
11	महिला आणि बाल सक्षमीकरणात महिला आणि बाल विकास विभागाची भूमिका	डॉ.विनायक भास्कर	75
12	महिला सक्षमीकरण आणि महिलांचे अधिकार	डॉ. बी.व्ही. डोंगरे	84
13	भारताच्या विकासात महिलांचे योगदान	अश्विन सु. खाडिलकर	88
13	भारतीय महिलांच्या सक्षमीकरणात डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर यांचे योगदान	डॉ. मृदुला नि.रायपुरे	94
14	भारतीय महिलांची सद्यस्थिती	प्रा. आशिष मु.गुजराथी	96
15	शासकीय नोकऱ्यातील अनुकंपा धोरण आणि लिंगभेद	अरुण शि. काळे	104
16	स्त्रीमुक्ती चळवळीचा अर्थ : एक ऐतिहासिक अभ्यास	डॉ. विनोद सोनवणे	108
17	महिला सक्षमीकरण आणि शासकीय योजना	डॉ. ज्योती अधाने	113
18	शिक्षणाद्वारे महिला सबलीकरण	प्रा. अस्मिता महाजने (शिरटकर)	120
19	स्त्री सक्षमीकरण आणि शासकीय योजना	प्रा. राजु बुरीले	123
20	राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज यांच्या दृष्टीकोनातून लिंगभाव समानता	प्रा. डॉ. नंदा भांगुज (वाल्हाते)	128
21	आंध आदिवासी महिलांचे शैक्षणिक परिवर्तन व सबलीकरण	डॉ. सुधिर मा. गोटे	133
22	भारतातील दलित अत्याचार आणि कायदेशीर संरक्षण	विजय अ.पडेबहादूर	137
23	राष्ट्रीय राजकारणात महिला सक्षमीकरण	डॉ. एम. पी. चव्हाण	141
24	लिंग समानता आणि महिला सक्षमीकरण	डॉ. संगीता पाठाडे	144
25	महिला सक्षमीकरण आणि विविध योजना	डॉ. देवेंद्र बी. बोरकुटे	152
26	शासनाच्या महिला सक्षमीकरणाच्या विविध योजना	प्रा. हर्षा टी. मासरे	158
27	भारतीय महिला आंदोलने व कौटुंबिक हिंसाचार	डॉ किशोर वहाणे	164

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:02:59+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:03:20+05'30'

Office of the Principal, Government College Bichhua Chhindwara (M.P.) 480111

Mobile: +91 9425425968, Email- hegcbicchh@mp.gov.in

https://www.govtcollegebichhua.org, https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109

Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956

Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

 ISBN-978-93-94460-03-4

गैरसमज व मानसिकता दूर करून स्त्रियांनाही माणूस म्हणून जगण्याचा अधिकार प्राप्त व्हावा यासाठी समाजात विविध पातळी वरून जनजागृती करणे गरजेचे आहे. हे महत्वपूर्ण कार्य जन जागृती मधूनच शक्य आहे. म्हणून जनजागृती हे खऱ्या अर्थाने महिला सबलीकरणाचे साधन असल्याचे दिसून येते.

7. महिला सबलीकरण यासाठी कायदे :- कायद्याच्या माध्यमातून महिलांचे सबलीकरण साधण्याचा प्रयत्न खऱ्या अर्थाने दुसऱ्या महायुद्धानंतर अनेक राष्ट्रांमधून झाला. कायदा करून महिलांना राजकीय आणि आर्थिक अधिकार बहाल करण्यात आले. कायद्याचा आधार प्राप्त झाल्यामुळे सबलीकरणाची प्रक्रिया गतिमान बनली. परिणामी कायद्याच्या साधनांचा अवलंब करून सबलीकरणाची प्रक्रिया गतिमान बनवण्यासाठी स्त्रीवादी संघटना, दबावगट, राजकीय पक्ष प्रयत्नशील राहिले. भारतामध्ये आणि महाराष्ट्रात स्त्रियांविरुद्ध कौटुंबिक हिंसाचाराचा कायदा 2005, घटस्फोट व विधवा पुनर्विवाहाचा कायदा, वारसा हक्काचा कायदा, दत्तक अधिनियम इत्यादी करण्यात आलेले कायदे महिला सबलीकरणाच्या दृष्टीने अत्यंत महत्वाचे आणि प्रभावी पाऊल ठरले आहे. महाराष्ट्र शासनाने महिला धोरण 1994, 2001 तसेच महिलांसाठी आरक्षणाचा निर्णय 2000, महाराष्ट्र शासनाचा कामाच्या ठिकाणी महिलांचा लैंगिक छळ प्रतिबंध आदेश 1998 इत्यादी तरतुदींमुळे स्त्रियांच्या संरक्षणाला आणि सबलीकरण प्रक्रियेला हातभार लागला आहे. म्हणून महिला सबलीकरण यासाठी कायदे हे महत्वपूर्ण साधन असल्याचे दिसून येते.

8. प्रसारमाध्यमे :- प्रसार माध्यमाच्या वाढत्या जाळ्या बरोबर त्यांचा लोकांवर आणि समाजावर सकारात्मक आणि नकारात्मक परिणाम वाढताना दिसत आहे. महिला सबलीकरणाच्या प्रक्रियेमध्ये प्रसार माध्यमाचा साधन म्हणून वापर परिणामकारक ठरत आहे. अनेक महिला आपल्यावर झालेल्या अन्यायाला आणि अत्याचाराला वाचा फोडण्यासाठी प्रसार माध्यमाचा आधार घेताना दिसत आहेत. त्यामुळे गुन्हेगाराला पकडणे व त्यांना शिक्षा देणे प्रसारमाध्यमांमुळे सुलभ झाले आहे. महिला सबलीकरण या विषयी समाजामध्ये जनजागृती निर्माण करणे, स्त्रियाविषयीच्या कल्याणकारी योजना, स्त्री-आरोग्य, शिक्षण, कुटुंब कल्याण याविषयी शासनाच्या योजना व धोरण लोकांपर्यंत पोचविण्यासाठी प्रसार माध्यमाची भूमिका महत्वाची ठरत आहे. प्रसार माध्यमाद्वारे लोकांना विचार करायला प्रवृत्त करणे याविषयी महाराष्ट्र महिला धोरण 1994 मध्ये विशेष नियमावली सुद्धा तयार करण्यात आली आहे. याचा अर्थ प्रसार माध्यमे हे महिला सबलीकरणासाठी महत्वपूर्ण साधन ठरत आहे.

सारांश

महिला सबलीकरणाचे प्रक्रियाही विसाव्या शतकात जरी गतिमान झाली असली तरी या प्रक्रियेचे बीजे अमेरिकन स्वातंत्र्याचा जाहीरनामा व फ्रेंच क्रांतील व्यक्तिच्या स्वातंत्र्याचा जाहीरनामा यामध्ये दिसून येतात. महिला सबलीकरण ही स्त्री अधिकाराचा पुरस्कार करणारी, स्त्रियांना पुरुषांच्या बरोबरीने प्रगतीच्या विकासाच्या संधी उपलब्ध करून

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O="GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:02:59+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:03:20+05'30'

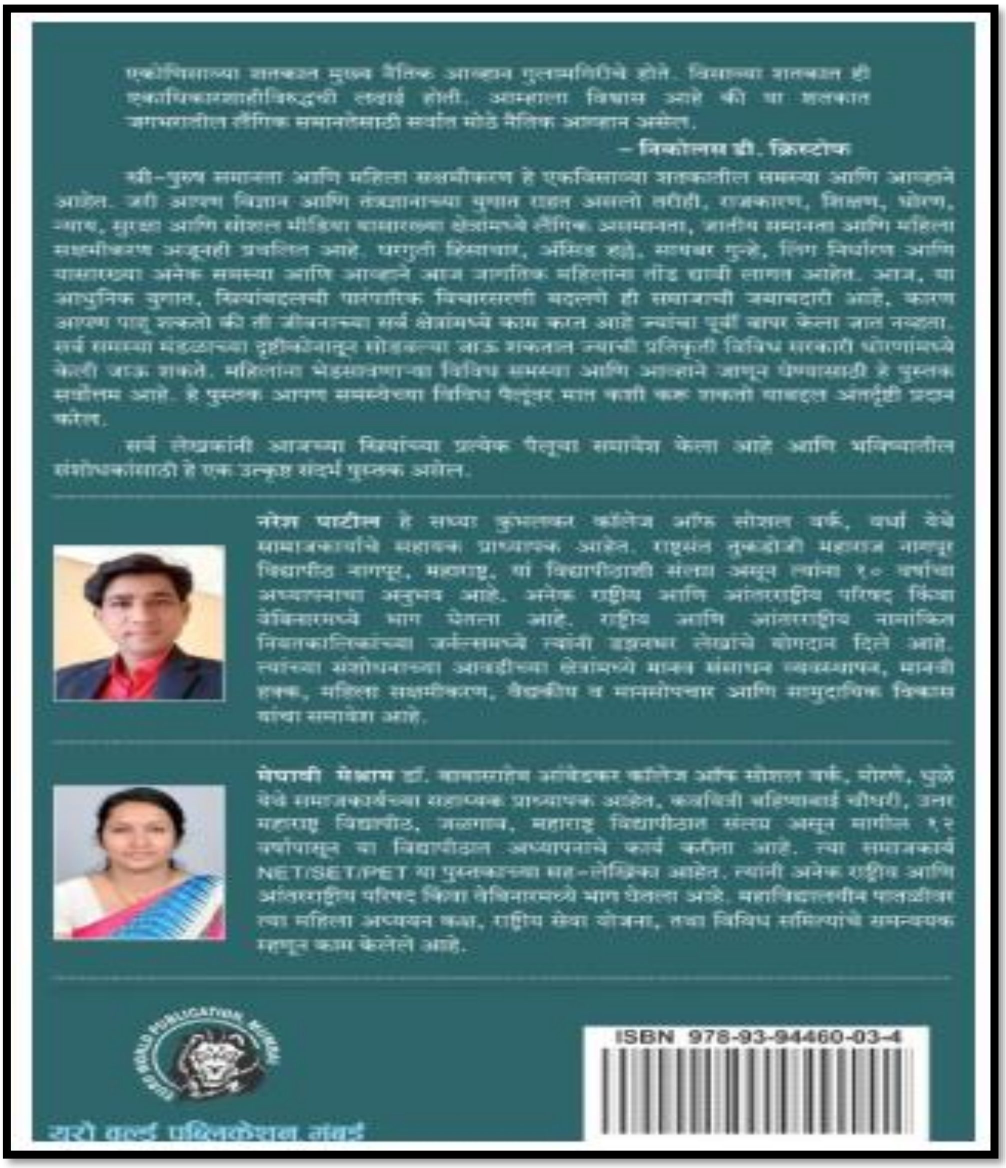

एकोणिसाव्या शतकात मुख्य नैतिक आव्हान गुलामगिरीचे होते. विसाव्या शतकात ही एकाधिकारशाहीविरुद्धची लढाई होती. आम्हाला विश्वास आहे की या शतकात जगभरातील लैंगिक समानतेसाठी सर्वात मोठे नैतिक आव्हान असेल.

– निकोलस डी. क्रिस्टोफ

स्त्री-पुरुष समानता आणि महिला सक्षमीकरण हे एकविसाव्या शतकातील समस्या आणि आव्हाने आहेत. जरी आपण विज्ञान आणि तंत्रज्ञानाच्या युगात राहत असलो तरीही, राजकारण, शिक्षण, धोरण, न्याय, सुरक्षा आणि सोशल मीडिया यासारख्या क्षेत्रांमध्ये लैंगिक असमानता, जातीय समानता आणि महिला सक्षमीकरण अजूनही प्रचलित आहे. घरगुती हिंसाचार, ॲसिड हल्ले, सायबर गुन्हे, लिंग निर्धारण आणि यासारख्या अनेक समस्या आणि आव्हाने आज जागतिक महिलांना तोंड द्यावी लागत आहेत. आज, या आधुनिक युगात, स्त्रियांबद्दलची पारंपारिक विचारसरणी बदलणे ही समाजाची जबाबदारी आहे, कारण आपण पाहू शकतो की त्या जीवनाच्या सर्व क्षेत्रांमध्ये काम करत आहे ज्यांचा पूर्वी वापर केला जात नव्हता. सर्व समस्या मंडळाच्या दृष्टिकोनातून सोडवल्या जाऊ शकतात ज्याची प्रतिकृती विविध सरकारी धोरणांमध्ये केली जाऊ शकते. महिलांना भेडसावणाऱ्या विविध समस्या आणि आव्हाने जाणून घेण्यासाठी हे पुस्तक सर्वोत्तम आहे. हे पुस्तक आपण समस्येच्या विविध पैलूंवर मात कशी करू शकतो याबद्दल अंतर्दृष्टी प्रदान करेल.

सर्व लेखकांनी आजच्या स्त्रियांच्या प्रत्येक पैलूचा समावेश केला आहे आणि भविष्यातील संशोधकांसाठी हे एक उत्कृष्ट संदर्भ पुस्तक असेल.

नरेश पाटील हे सध्या कुंभलकर कॉलेज ऑफ सोशल वर्क, वर्धा येथे समाजकार्याचे सहायक प्राध्यापक आहेत. राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठ नागपूर, महाराष्ट्र, या विद्यापीठाशी संलग्न असून त्यांना १० वर्षांचा अध्यापनाचा अनुभव आहे. अनेक राष्ट्रीय आणि आंतरराष्ट्रीय परिषद किंवा वेबिनारमध्ये भाग घेतला आहे. राष्ट्रीय आणि आंतरराष्ट्रीय नामांकित नियतकालिकांच्या जर्नल्समध्ये त्यांनी डझनभर लेखांचे योगदान दिले आहे. त्यांच्या संशोधनाच्या आवडीच्या क्षेत्रांमध्ये मानव संसाधन व्यवस्थापन, मानवी हक्क, महिला सक्षमीकरण, वैद्यकीय व मानसोपचार आणि सामुदायिक विकास यांचा समावेश आहे.

मेघावी मेश्राम डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर कॉलेज ऑफ सोशल वर्क, मोरणे, धुळे येथे समाजकार्याच्या सहाय्यक प्राध्यापक आहेत. कवयित्री बहिणाबाई चौधरी, उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगाव, महाराष्ट्र विद्यापीठात संलग्न असून मागील १२ वर्षांपासून या विद्यापीठात अध्यापनाचे कार्य करीत आहे. त्या समाजकार्य NET/SET/PET या पुस्तकाच्या सह-लेखिका आहेत. त्यांनी अनेक राष्ट्रीय आणि आंतरराष्ट्रीय परिषद किंवा वेबिनारमध्ये भाग घेतला आहे. महाविद्यालयीन पातळीवर त्या महिला अध्ययन कक्ष, राष्ट्रीय सेवा योजना, तथा विविध समित्यांचे समन्वयक म्हणून काम केलेले आहे.

ISBN 978-93-94460-03-4

युरो वर्ल्ड पब्लिकेशन, मुंबई

Chapter Writer : Dr. Farhat Mansoori

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:02:59+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:03:20+05'30'

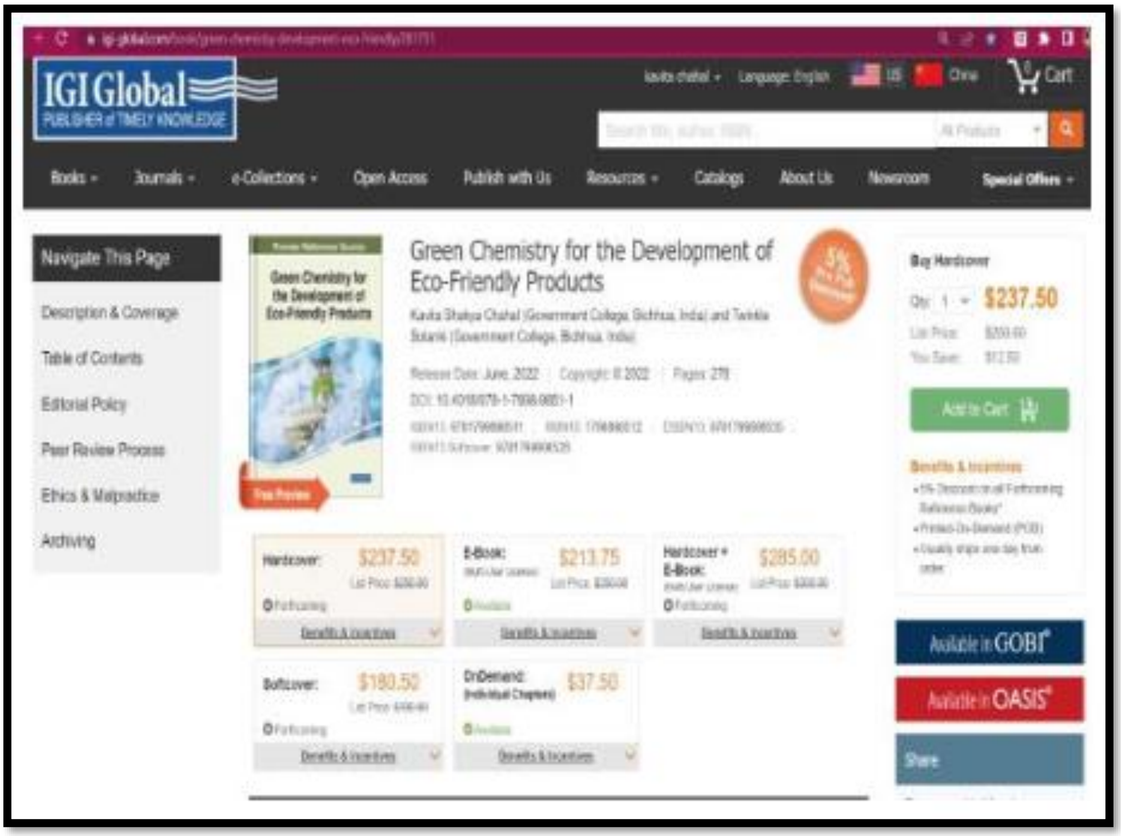

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E= bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:02:59+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:03:20+05'30'

Chapter 9

An Overview to Green Nanotechnology for Environmental Issues

Naveen Kumar Chourasia
Government College, Bichhua, India

ABSTRACT

Environmental pollution is a serious issue that has a negative impact on human health. The situation is exacerbated by the gradual development of industrialization and urbanization. The removal of toxins from the environment is characterized as environmental remediation. Environmental remediation refers to all of the approaches used to lessen the risks of pollution in the environment. Nanotechnology has the potential to significantly reduce existing environmental issues. Green nanotechnology is the science and technology for developing nanoparticles using environmentally benign approaches. Green nanotechnology makes use of nature's biological qualities (through a variety of activities). Another area where nanotechnology can play a critical role is in environmental remediation because the properties of nanoparticles can be designed by designing their size and shape. Due to their huge surface area and, as a result, strong reactivity, nanoparticles perform significantly better than bulk materials for environmental remediation.

Chapter Writer : Dr. Naveen Kumar Chourasia

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:02:59+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:03:20+05'30'

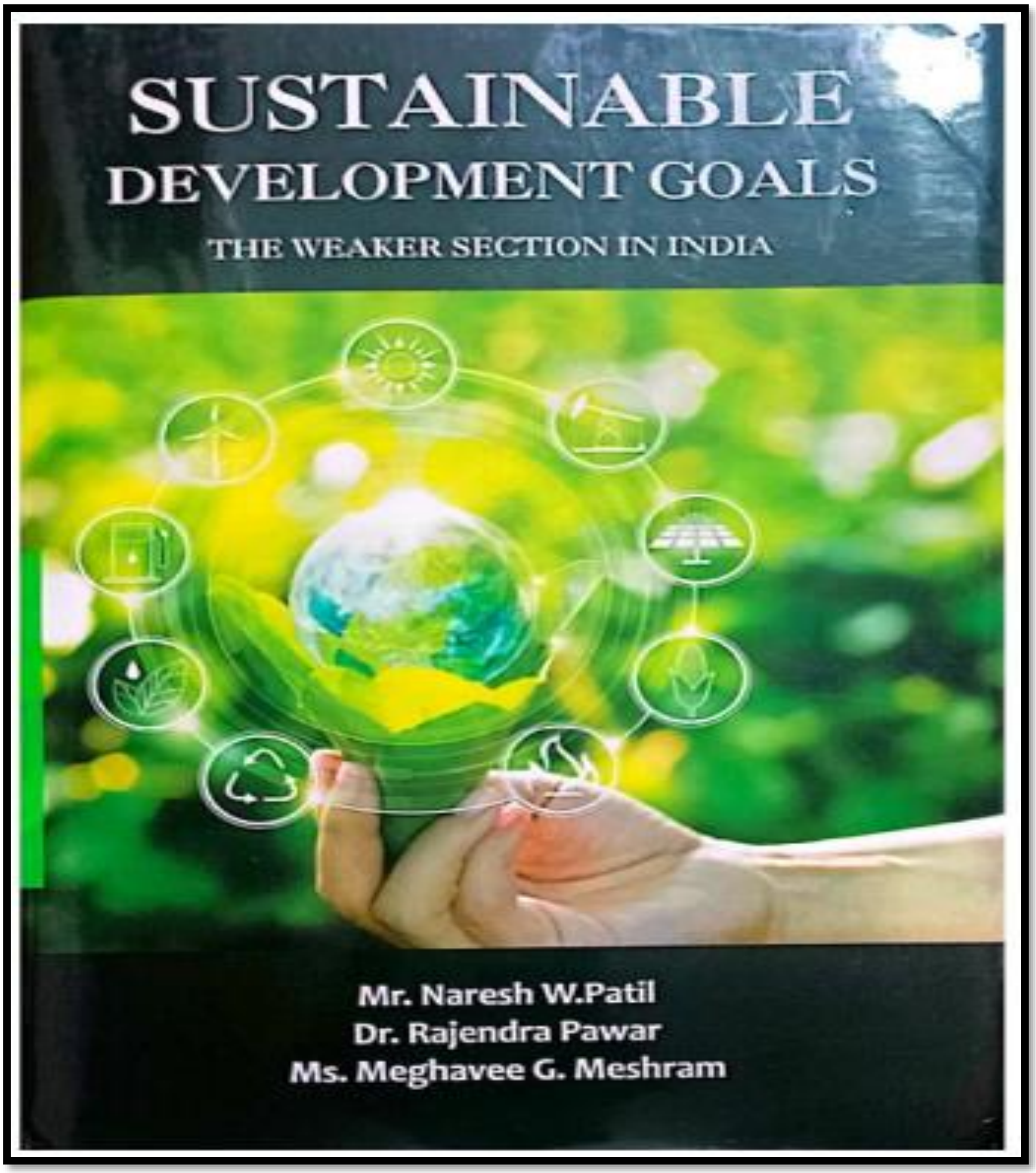

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:02:59+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:03:20+05'30'

Office of the Principal, Government College Bichhua Chhindwara (M.P.) 480111

Mobile: +91 9425425968, Email- hegcbicchh@mp.gov.in

https://www.govtcollegebichhua.org, https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109

Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956

Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

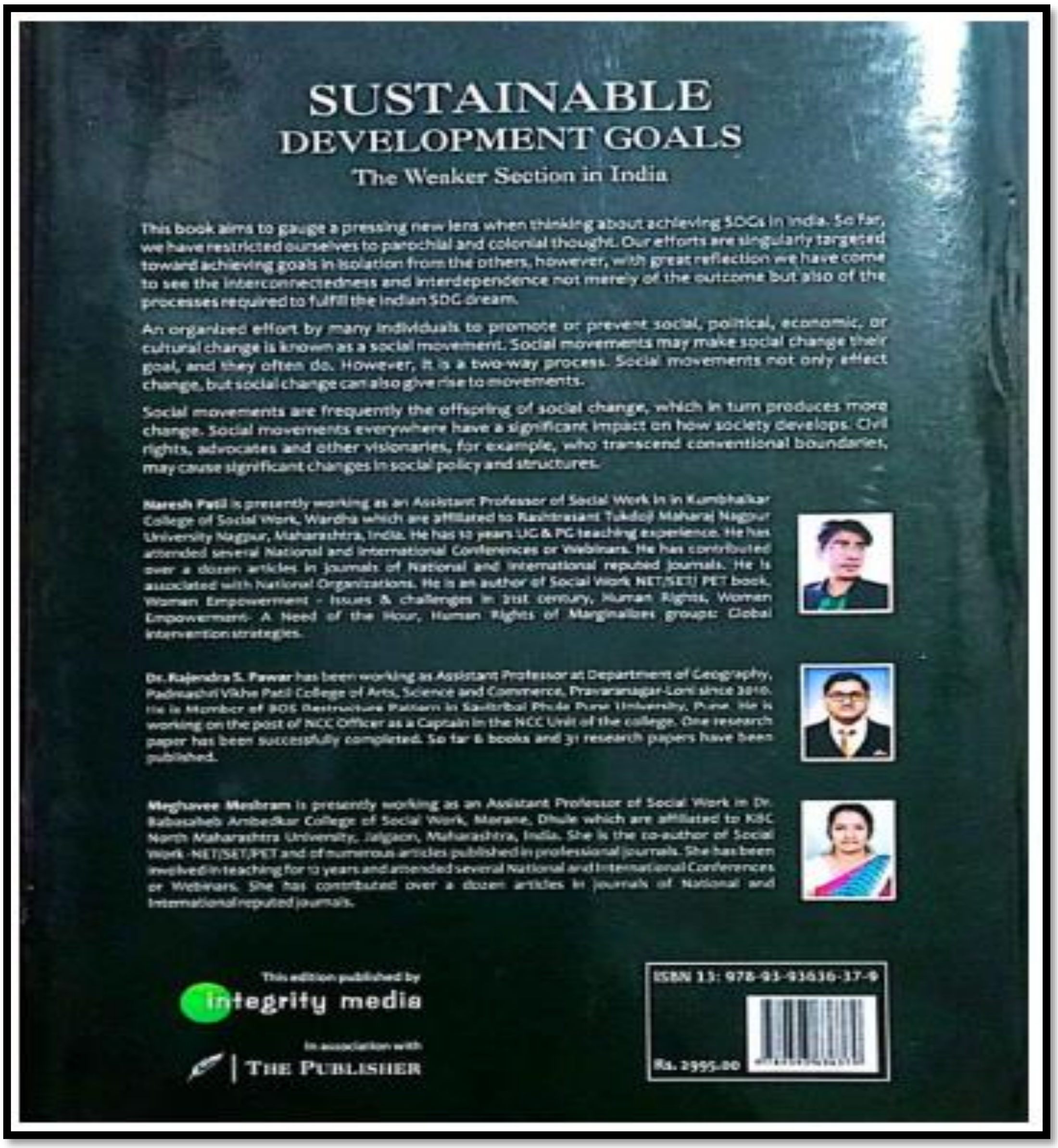

SUSTAINABLE DEVELOPMENT GOALS

The Weaker Section in India

This book aims to gauge a pressing new lens when thinking about achieving SDGs in India. So far, we have restricted ourselves to parochial and colonial thought. Our efforts are singularly targeted toward achieving goals in isolation from the others, however, with great reflection we have come to see the interconnectedness and interdependence not merely of the outcome but also of the processes required to fulfill the Indian SDG dream.

An organized effort by many individuals to promote or prevent social, political, economic, or cultural change is known as a social movement. Social movements may make social change their goal, and they often do. However, it is a two-way process. Social movements not only effect change, but social change can also give rise to movements.

Social movements are frequently the offspring of social change, which in turn produces more change. Social movements everywhere have a significant impact on how society develops. Civil rights, advocates and other visionaries, for example, who transcend conventional boundaries, may cause significant changes in social policy and structures.

Naresh Patil is presently working as an Assistant Professor of Social Work in in Kumbhalkar College of Social Work, Wardha which are affiliated to Rashtrasant Tukdoji Maharaj Nagpur University Nagpur, Maharashtra, India. He has 12 years UG & PG teaching experience. He has attended several National and International Conferences or Webinars. He has contributed over a dozen articles in journals of National and International reputed journals. He is associated with National Organizations. He is an author of Social Work NET/SET/ PET book, Women Empowerment - Issues & challenges in 21st century, Human Rights, Women Empowerment- A Need of the Hour, Human Rights of Marginalizes groups: Global intervention strategies.

Dr. Rajendra S. Pawar has been working as Assistant Professor at Department of Geography, Padmashri Vikhe Patil College of Arts, Science and Commerce, Pravaranagar-Loni since 2010. He is Member of BOS Restructure Pattern in Savitribai Phule Pune University, Pune. He is working on the post of NCC Officer as a Captain in the NCC Unit of the college. One research paper has been successfully completed. So far 6 books and 31 research papers have been published.

Meghavee Meshram is presently working as an Assistant Professor of Social Work in Dr. Babasaheb Ambedkar College of Social Work, Morane, Dhule which are affiliated to KBC North Maharashtra University, Jalgaon, Maharashtra, India. She is the co-author of Social Work -NET/SET/PET and of numerous articles published in professional journals. She has been involved in teaching for 12 years and attended several National and International Conferences or Webinars. She has contributed over a dozen articles in journals of National and International reputed journals.

This edition published by integrity media

In association with THE PUBLISHER

ISBN 13: 978-93-93636-37-9

Rs. 2995.00

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E= bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:02:59+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:03:20+05'30'

43. A Geographical Study of Socio-Economic Development of Tribes of India 266
Dr. Shahida Begam Mansuri,
44. Role of Women Empowerment in Indian Economy 270
Dr. Koel Roy Choudhury 270
45. Aging and Social Work 274
Indhumathi S, Dr Binu Sahayam D
46. Sustainable Development Goals and Role of NGOs 280
Dr. Sunil Kumar Choudhary
47. An Analytical Study on Speed Ability Among Cricket and Hockey Players 290
Dr.Satender Balwant.Singh

Book Chapter By – Dr. Sahida Begum Mansoori

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:02:59+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:03:20+05'30'

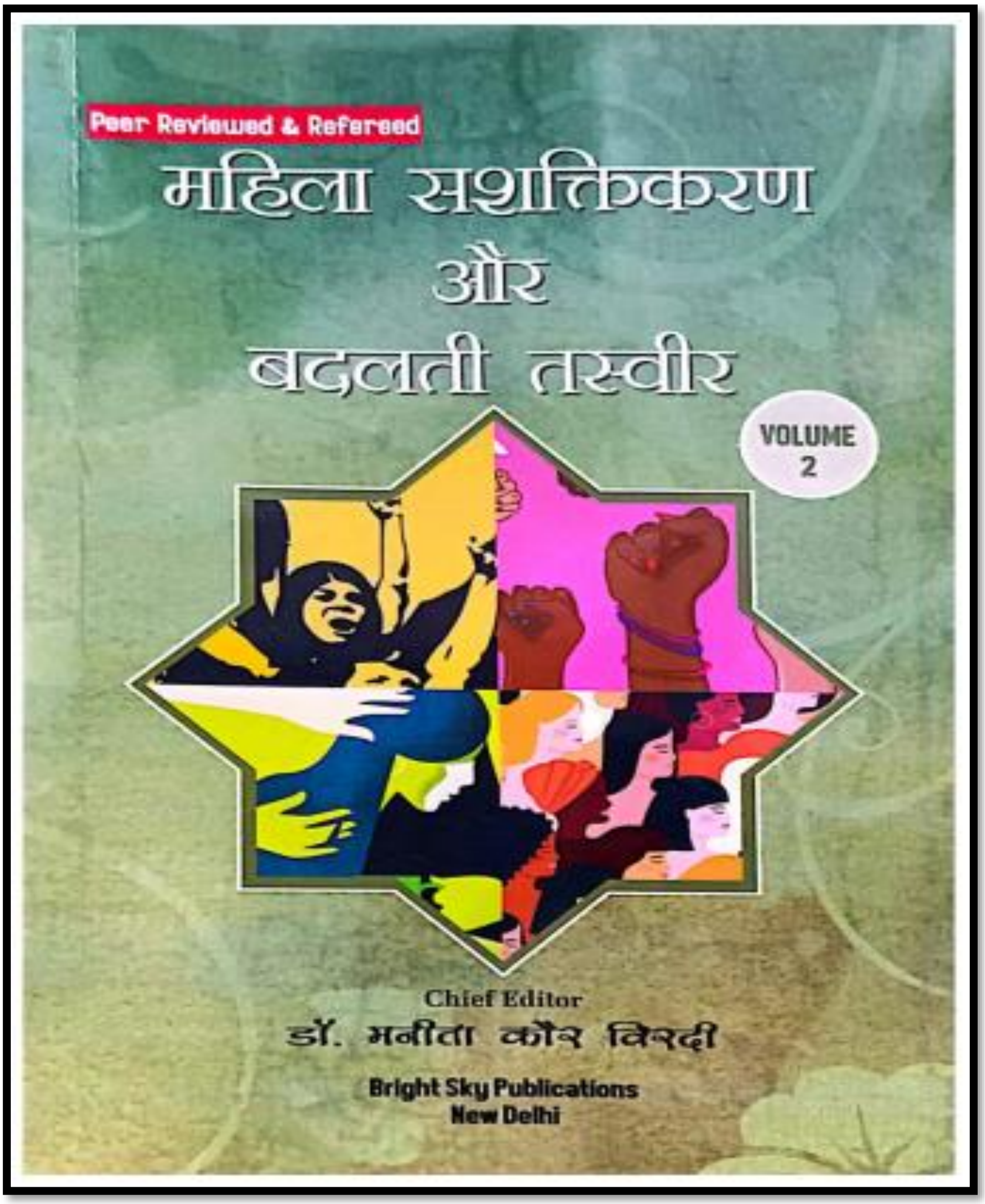

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:02:59+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:03:20+05'30'

पुस्तक का शीर्षक
"महिला सशक्तिकरण और बदलती तस्वीर"

मुख्य संपादक
डॉ मनीता कौर विरदी

प्रकाशक
ब्राइटस्काई प्रकाशन
ऑफिस न. – 3, 1st फ्लोर, H-34/3, सैक्टर – 3, रोहिणी, दिल्ली – 110085, भारत

प्रथम संस्करण: 2021
पृष्ठ: 112
मूल्य: ₹ 736/-

Paperback ISBN: 978-81-952451-4-7

Book DOI: https://doi.org/10.22271/bs.book.22

मुद्रक
ब्राइटस्काई प्रकाशन
नई दिल्ली

इस पुस्तक का कोई भी भाग किसी भी रूप में या किसी भी अर्थ में प्रकाशक की अनुमति के बिना प्रकाशित नहीं किया जा सकता। सर्वाधिकार प्रकाशक के अधीन है।

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E= bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:02:59+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:03:20+05'30'

सामग्री

स. न.	अध्याय	पृष्ट स.
1.	राजनीतिक क्षेत्र और महिला सशक्तिकरण *(डॉ मनीता कौर विरदी)*	01-17
2.	खेल के क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण *(श्री संजय मेहरा)*	19-42
3.	महिला सशक्तिकरण क्यों जरूरी *(पूनम)*	43-53
4.	ग्रामीण महिलाएँ और सशक्तिकरण *(डॉ. शाहिदा बेगम कुरैशी)*	55-69
5.	अपने और अपने देश के विषय में सोचने की क्षमता का महिलाओं में विकास ही महिला सशक्तिकरण *(डॉ. मोनिका ब्रम्हने)*	71-86
6.	भारतीय राजनीति में महिला सशक्तिकरण *(डॉ. डुलेश्वरी टेम्भरे)*	87-98
7.	बालिका सशक्तिकरण और योजनायें *(डॉ. श्रीमती माया साहू)*	99-112

Book Chapter By – Dr. Manita Kaur Virdi

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:02:59+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:03:20+05'30'

Office of the Principal, Government College Bichhua
Chhindwara (M.P.) 480111

Mobile: +91 9425425968, Email- hegcbicchh@mp.gov.in
https://www.govtcollegebichhua.org, https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109

Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956
Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:02:59+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:03:20+05'30'

ISBN 978-93-91119-22-5

पुस्तक : प्रभा खेतान के साहित्य में विविध स्वर
सम्पादक : डॉ. सीमा सूर्यवंशी
© : सम्पादक
प्रकाशक : वान्या पब्लिकेशंस
3A/127 आवास विकास हंसपुरम्, नौबस्ता,
कानपुर - 208 021
Email : vanyapublicationskanpur@gmail.com
info@vanyapublications.com
Website : www.vanyapublications.com
Mob. : 9450889601, 7309038401
संस्करण : प्रथम, 2021
मूल्य : 750/- (सात सौ पचास रुपये मात्र)
शब्द-सज्जा : रुद्र ग्राफिक्स, कानपुर
मुद्रक : सार्थक प्रेस, कानपुर

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E= bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:02:59+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:03:20+05'30'

अनुक्रम

1. अन्या से अनन्या तक : आधुनिकता और स्त्री आधार
   प्रो. लक्ष्मीचंद — 11
2. प्रभा खेतान का अनुवाद साहित्य – 'स्त्री उपेक्षिता'
   डॉ. ममता पाठक — 16
3. अन्या से अनन्या : आत्मकथा से झलकता अपराध बोध
   डॉ. मीना राठौर — 24
4. प्रभा खेतान : अहसासों का रीतापन
   डॉ. लक्ष्मीकान्त चंदेला — 32
5. प्रभा खेतान की वैचारिक दृष्टि संदर्भ : महिला आरक्षण एवं उपनिवेश में स्त्री
   दिनेश भट्ट (साहित्यकार) — 40
6. प्रभा खेतान की कविता में स्त्री स्वर
   प्रो. रेखा पी. मेनोन — 43
7. बाजार के बीच बाजार के खिलाफ : प्रभा खेतान
   प्रदीप कुमार विश्वकर्मा — 54
8. अन्या से अनन्या : स्त्री संवेदनाओं को उकेरती मार्मिक कथा
   डॉ. विजय कलमधार — 61
9. प्रभा खेतान के उपन्यासों में सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और धार्मिक मूल्य
   डॉ. निर्मला शर्मा — 68
10. मानवीय गरिमा की खोज में स्त्री
   डॉ. टीकमणि पटवारी — 78
11. स्त्री त्रासदी की जीवंत गाथा
   डॉ. कुमकुम श्रीवास्तव — 87
12. सामाजिक मानसिकता के दायरे में स्त्री
   डॉ. मनीषा आमटे — 102
13. मैं और मेरे प्रश्न ('मैं' हर स्त्री का प्रतीक)
   डॉ. सीमा सूर्यवंशी — 107
14. प्रभा खेतान के कथा साहित्य में स्त्री विषयक चिन्तन
   डॉ. संतोष कुमार अहिरवार — 113
   डॉ. हरीसिंह गौर

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:02:59+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:03:20+05'30'

12.

सामाजिक मानसिकता के दायरे में स्त्री

डॉ. मनीषा आमटे

किसी भी व्यक्ति के लिए सर्वाधिक कठिन कार्य उस संदर्भ में अपने विचारों को आकार देना होता है, जो विषय उसकी चिन्ता का मूल विषय हो या जिसे उसने समझने की कोशिश अधिक की हो।

भारतीय स्त्री के स्थान के संदर्भ में सत्य यही है कि उसका स्थान कहाँ है या नहीं है अथवा होगा या नहीं? इसका निर्धारण कौन करेगा स्वयं स्त्री या पुरुष? यह सभी कुछ प्रश्नचिन्हित है?

इन प्रश्नों के अलावा भी स्त्री संदर्भ में अनेक प्रश्न हैं। इनमें से कुछ प्रश्नों को उठा पाना संभव–ही–संभव है। प्रस्तुत शोध आलेख को महिला साहित्यकारों के अनुभवों और कुछ तथ्यों पर केन्द्रित किया गया है। साहित्य विमर्श की बात की जाए तो इस विमर्श का मूल ढाँचा भाषा व भाषा से जुड़े समाज के सापेक्ष होता है तथा किसी भी भाषा के विमर्श का सामाजिक आधार उसकी सामाजिक समस्याएँ एवं उनका स्वरूप होता है। संभवतः कुछ मुद्दों को लेकर उनका वैश्विक स्वरूप निर्मित किया जा सकता है परन्तु जमीनी तौर पर वह समाज और समय के अनुरूप ही होता है इसीलिए किसी भाषा के विमर्श का मूल्यांकन करने के लिए उसके सामाजिक ढाँचे का ध्यान रखा जाता है। भारत के विभिन्न स्तरों के सामाजिक ढाँचे में स्त्री–विमर्श के अंतर्गत स्त्री का संघर्ष सिर्फ देह की स्वतंत्रता या लिंग की लड़ाई तक सीमित नहीं है क्योंकि स्त्रियों को अनेक मोर्चों पर एक साथ लड़ना होता है।

संपूर्ण विश्व वैचारिकी स्त्री के इन्हीं पक्षों में कुछ बातें विगत् 125 वर्षों से कर रही है। इतिहास पर दृष्टि डाले तो 1900 से 1930 का प्रथम सोपान जिसमें बंग महिला श्रीमती राजेन्द्र बाला घोष, शैल कुमारी देवी, यशोदा देवी जैसी कथाकारों ने नारी के साहित्य व बौद्धिक विकास को गति दी।

1930 से 1960 में द्वितीय सोपान में दो तथ्य उभर कर आए, प्रथम–भारतीय नारी आन्दोलन पुरुष विरोधी कभी नहीं रहा जो उसकी सफलता का कारण भी है। इसके विपरीत पाश्चात्य नारी आन्दोलन पुरुष जाति के विरोध से बार–बार बिखरता रहा जिसका कारण सांस्कृतिक विरासत है। जिसमें भारत में नारी को माँ के रूप में श्रद्धा का पात्र समझा जाता है और इसलिये

Book Chapter By – Dr. Manisha Amte

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:02:59+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:03:20+05'30'

New Vistas in Microbial Sciences

Volume - 1

Chief Editor

Dr. D.K. Sharma
Regional Director, Vardhaman Mahaveer Open University, Rawat Bhata Road, Kota, Rajasthan, India

Integrated Publications
New Delhi

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E= bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:02:59+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:03:20+05'30'

Integrated Publications
H. No. - 3 Pocket - H34, Sector - 3,
Rohini, Delhi-110085, India

Chief Editor: Dr. D.K. Sharma

The author/publisher has attempted to trace and acknowledge the materials reproduced in this publication and apologize if permission and acknowledgements to publish in this form have not been given. If any material has not been acknowledged please write and let us know so that we may rectify it.

© Integrated Publications

Publication Year: 2021

Pages: 123

ISBN: 978-93-90471-33-1

Book DOI: https://doi.org/10.22271/int.book.40

Price: ₹ 735/-

Contents

Chapters	Page No.
1. Bioremediation: A Potential Tool for Minimizing Industrial, Agricultural and Environmental Pollution *(T Dr. Jogendra C. Handiwale, Dr. Mayavati S. Patil and Dr. Avinash V. Patil)*	01-28
2. Opportunistic Pathogens: An Overview *(Kavita Chahal, Esmil Beliya, Naveen Kumar Chourasia and Anand Chourasia)*	29-46
3. Microbial Bioremediation *(Dr. Loveleen Kaur Sarao and Dr. Sandeep Kaur)*	47-66
4. Post-Harvest Losses: A Matter of Concern *(Dr. Sandeep Kaur, Dr. Loveleen Sarao and Abhishek Tanwar)*	67-84
5. Glomalin: A Super Glue and Its Applications in Agriculture *(Eramma, Sangeeta Sahanna Bhajantri and Priya B.)*	85-106
6. Microbial Keratinase: An Advantageous Enzyme *(Vijay Kumar and Richa)*	107-123

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:02:59+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:03:20+05'30'

Chapter - 2

Opportunistic Pathogens: An Overview

Kavita Chahal, Esmil Beliya, Naveen Kumar Chourasia and Anand Chourasia

Abstract

An infection caused by fungal, viral or bacterial pathogens that take advantage of a host having a weak immune system is termed as an opportunistic infection. Mostly these pathogens can only cause disease in immunocompromised patients. HIV, leukopenia, malnutrition, ageing and genetic predisposition are some of the examples. The pathogenic microorganisms followed some steps for completing the process of infection. These are exposure, adhesion, invasion, colonization, toxicity, and finally the tissue damage.

Keywords: opportunistic, infection, immunocompromised, leukopenia

Introduction

Microorganisms, in a general realm of biology, are known to cause several diseases and infections in otherwise healthy individuals. A pathogen is a microorganism such as a bacterium, or fungus (may be yeast) or virus that causes disease in its plant or animal host. The ability of the pathogen to infect is called its pathogenicity which can be expressed by means of their virulence, that is, the relative and quantitative degree of pathogenicity. Moreover, pathogens are distinguished by their virulence from nonpathogens or avirulent. Few pathogens, and the defense mechanism of the hosts that they infect, are involved in an interaction resulting in infectious. The capacity by which a pathogen damages the host and by which the host gets protected from the pathogen determines the severity of the infection [1].

However, in an attempt to control the infection, a host's immune system can also cause damage to the host itself. Therefore, infectious microorganisms can be classified according to the status of host defenses-either as *primary pathogens* or as *opportunistic pathogens*.

Primary pathogens or obligate pathogens

The pathogens that cause disease as a result of their presence or activity within the normal and healthy host are considered as primary pathogens. The

Book Chapter By – Dr. Kavita Chahal

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:02:59+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:03:20+05'30'